'नीलम सिंह' बनी निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन की प्रदेश 'महासचिव'

बस्ती। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना को स्थानीय निकाय अध्यक्ष एसोसिएशन का प्रदेश महासचिव मनोनीत किया गया चुका है। श्रीमती राना बस्ती नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर लड़ चुकी हैं। पिछले महीने उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नगर

है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष और हाथरस के चेयरमैन देशराज सिंह ने भेजे गए मनोनयन पत्र में श्रीमती राना को लोकप्रिय और कर्तव्यनिष्ठ अध्यक्ष बताते हुए उम्मीद जताया है कि नगर निकायों के अध्यक्षों के हितों को ध्यान में रख कर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगी। यह बहादुरपुर की ब्लॉक प्रमुख भी रह चुकी है। वर्ष 2015 में भारत सरकार द्वारा इन्हे उतर प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक प्रमुख का सम्मान तथा 20 लाख रुपए का पुरस्कार भी दिया जा को आदर्श नगर पंचायत घोषित किया है। भाजपा से जुड़े इनके पति राना दिनेश प्रताप सिंह भी बहादुरपुर के ब्लॉक प्रमुख तथा बस्ती से जिला पंचायत सदस्य रहे हैं। इनके मनोनीत होने पर अंकुर वर्मा, बाल कृष्ण तिवारी पिंटू, हरैंया के चेयरमैन कौशलेंद्र सिंह राजू, कप्तानगंज के चेयरमैन चंद्र प्रकाश चौधरी, रूधौली के चेयरमैन धीरसेन निषाद, मुंडेरवा के चेयरमैन सुनील सिंह, बभनान के चेयरमैन प्रबल मलानी ने बधाई दिया है।

तेजयुग न्यूज़
जनता की आवाज

अपने क्षेत्र से संबंधित कार्यक्रम, खबरें आप हमें भेज सकते है

W.App. 9411953491
Email.Add. tejyugnews@gmail.com
call to. 9411953491

कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायिक आयोग के सामने पेश हुए बाबा नारायण साकार

तेजयुग न्यूज़

सह सवादाता लखनऊ

हाथरस में हुए सत्संग में 121 लोगों के मारे जाने के मामले में बाबा नारायण साकार हरि कड़ी सुरक्षा के बीच बृहस्पतिवार को लखनऊ स्थित सचिवालय के न्यायिक आयोग के सामने पेश हुए।

विस्तार

सत्संग में 121 श्रद्घालुओं की मौत मामले में बाबा नारायण साकार हरि बृहस्पतिवार को लखनऊ स्थित सचिवालय में न्यायिक आयोग के सामने पेश हुए। इस दौरान भारी सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया गया था। अपने भक्तों के बीच भोले बाबा के नाम से प्रसिद्घ नारायण हरि भाजपा का झंडा लगी सफेद रंग की फॉर्च्यूनर गाड़ी से न्यायिक आयोग पहुंचे। गाड़ी विधायक बाबूराम पासवान की बताई जा रही है जो कि दारुलशफा विधायक

निवास के 17 ए पर पंजीकृत है।

ये था पूरा मामला

बीती जुलाई को हाथरस के सिकंदराराऊ के गांव फुलरई मुगलगढ़ी में नारायण साकार हरि भोले बाबा उर्फ सूरजपाल के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। उनका काफिला निकालने के लिए सेवादरों ने भीड़ को रोक दिया था, इस दौरान उनकी चरण रज लेने की होड़ में लोग गिरते गए। इस मामले में पुलिस ने 11 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

इनके लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ था मुकदमा, 11 लोगों को बनाया गया था आरोपी

इस हादसे में मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर सहित अन्य सेवादारों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, प्राण घातक हमला करने, गंभीर चोट पहुचाने, लोगों को बंधक बनाने, निषेध्याज्ञा का उल्लंघन करने और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इन पर यह भी आरोप था कि सत्संग में 80 हजार लोगों के जुटने की शर्त का उल्लंघन कर ढाई लाख लोगों की भीड़ जुटाई। यातायात प्रबंधन में भी मदद नहीं की। मामले में पुलिस ने 1 अक्टूबर को चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। 3200 पेज की इस चार्जशीट में 11 लोगों को आरोपी बनाया गया था।

ये हुए थे गिरफ्तार

घटना के बाद पुलिस ने पुलिस मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर, मेघ सिंह, मुकेश कुमार, मंजू देवी,मंजू यादव, राम लड़ेते, उपेंद्र सिंह,संजू कुमार, राम प्रकाश शाक्य, दुर्वेश कुमार और दलवीर सिंह को गिरफ्तार किया था। इनमें महिला मंजू देवी और मंजू यादव की हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत स्वीकृत हो चुकी है। इनमें जमानत का सत्यापन नहीं होने और आदेश कोर्ट में नहीं पहुंचने के कारण अभी वह रिहा नहीं हो पाई है।

भाया देसी अंदाज

खेत में निरीक्षण करते-करते डीएम खुद ही किसान बन गए. उन्होंने हाथ में दराती उठाई और खेत में बैठ गए. इसके बाद बेहद पेशेवर तरीके से फसल की कटाई करने लगे, डीएम ने धान की कटाई कराकर उसकी तौल भी कराई, जिसमें 29.62 किलो ग्राम की फसल प्राप्त हुई. जिलाधिकारी ने क्षेत्र के दौलतपुर गांव में क्रॉप कटिंग के निरीक्षण के दौरान फसल नपाई, कटाई, सीसीई एग्री ऐप पर ऑनलाइन फीडिंग बिंदुओं की जानकारी जिला साख्यिकी अधिकारी अजय विक्रम सिंह से ली.

भीड़ जुटाने के लिए उन्होंने लोगों को रुपए बांटे

तेजयुग न्यूज़

सह सवादाता मथुरा

संत प्रेमानंद के अनुयायियों का कहना है कि उन्होंने साधु संतों को दक्षिणा दी थी। भीड़ जुटाने के लिए पैसे बांटने की बात पूरी तरह गलत है।

वृंदावन के संत प्रेमानंद द्वारा राधाकुंड में लोगों को नोट बांटने के मामले में श्रीकृष्ण जन्म भूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष पांडे ने डीएम से शिकायत की है। उन्होंने संत पर आरोप लगाया है कि भीड़ जुटाने के लिए उन्होंने लोगों को रुपए बांटे हैं। हालांकि उनके अनुयायियों का कहना है कि उन्होंने साधु संतों को दक्षिणा दी थी। भीड़ जुटाने के लिए पैसे बांटने की बात पूरी तरह गलत है।

श्रीकृष्ण जन्म भूमि मामले के पक्षकार आशुतोष पांडे ने डीएम को भेजे पत्र में संत प्रेमानंद पर राधाकुंड में भीड़ जुटाने के लिए रूपए बांटने का का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य से दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने शिकायती पत्र में कहा कि

मथुरा

संत प्रेमानंद बिना प्रशासनिक अनुमति के सड़कों पर भीड़ लेकर चलते हैं। इससे यातायात प्रभावित होता है और जाम लग जाता है।

लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि संत ने किडनी के नाम राधाकृष्ण रखे हैं जो कि गलत है। उनकी किडनी की जांच कराई जाए ताकि संत द्वारा कही गई दोनों किडनी की खराब होने की सत्यता सामने आ सके। इसके अलावा आशुतोष ने आरोप लगाया कि संत प्रेमानंद ने बिना प्रशासनिक अनुमति के राधाकुंड में नौका विहार किया।

प्रेमानंद महाराज ने कराया राधारानी को नौका विहार

राधाकुंड में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज बुधवार सुबह राधा-श्याम कुंड संगम पर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि विधान से राधा कुंड पर राधारानी की पूजा की। प्रेमानंद महाराज ने श्रीराधारानी को कुंड में नौका विहार कराया। प्रेमानंद महाराज ने भक्तों के साथ श्रीहित हरिवंश व राधा नाम का संकीर्तन किया।उन्होंने कहा कि राधा नाम के भजन में बहुत बड़ी शक्ति है, इसके जपने से सभी दुख दूर होते हैं। यहां से प्रेमानंद महाराज गिर्राज तलहटी, गोविंद कुंड आदि जगह पहुंचे और गिरिराजजी को नमन किया। इस दौरान महाराजजी के दर्शनों के लिए कुंड के चारों तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस फोर्स मौजूद रही।

सोशल मीडिया पर छाया थप्पड़ कांड: अखिलेश यादव ने लिखा- चुनावी धांधली भाजपा की रणनीति बन गई

तेजयुग न्यूज़

सह सवादाता लखीमपुर खीरी

लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की प्रबंध समिति के चुनाव को लेकर बुधवार को बवाल हो गया था। भाजपा विधायक योगेश वर्मा को जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अवधेश सिंह ने पुलिस के सामने ही थप्पड़ जड़ दिए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह घटना दिनभर एक्स पर ट्रेंडिंग में रही।

लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक चुनाव के दौरान भाजपा विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ मारने की घटना सोशल मीडिया के जरिये पूरे देश में छाई रही। फेसबुक और व्हाट्सएप ग्रुपों में विधायक की पिटाई का वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इस घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने फेसबुक पर पोस्ट कर तंज कसा

उन्होंने लिखा कि अन्याय हिंसा को जन्म देता है। आगे लिखा कि चुनावी धांधली भाजपा की रणनीति बन गई। सपा नेता शिवपाल यादव ने एक्स और फेसबुक पोस्ट में लिखा कि प्रदेश की स्थिति गंभीर, सत्ता पक्ष के विधायक भी सुरक्षित नहीं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी एक्स पर पोस्ट कर निंदा की है

अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की प्रबंध समिति के नामांकन के समय सदर विधायक योगेश वर्मा से मारपीट का वीडियो एक्स (ट्विटर) पर दिनभर वायरल होता रहा। एक्स के टॉप ट्रेंडिंग में योगेश वर्मा का नाम चौथे नंबर पर रहा। इसमें नौ हजार से अधिक पोस्ट किए गए हैं। कई लोगों ने इस वीडियो को साझा किया है।

अवधेश सिंह का नाम भी करता रहा ट्रेंड

विधायक को थप्पड़ मारने वाले अवधेश सिंह का नाम दिनभर ट्रेंड करता रहा। इन पोस्ट में अवधेश सिंह का नाम हाईलाइट किया गया है। बैंक चुनाव नाम की पोस्ट 24 वें नंबर पर है। 1800 से अधिक लोगों ने पोस्ट की है। इसमें तरह-तरह की बातें लिखी गई हैं।

कई वर्षों से गुपचुप होने वाला अर्बन कोऑपरेटिव बैंक का चुनाव इस बार अखाड़ा बन गया। गाली-गलौज, मारपीट, हंगामा और आरोप-प्रत्यारोप के तीर चले। नामांकन के समय हुए बवाल के बाद प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं। बैंक के करीब साढ़े 12 हजार शेयर होल्डर हैं, जो अपने मत का प्रयोग करते हुए डेलीगेट और चेयरमैन चुनते हैं।

बुधवार से नामांकन शुरू होने थे। 10 को नामांकन वापसी, 11 को अंतिम सूची का प्रकाशन और चुनाव चिह्न का आवंटन किया जाना था। इस बार की चुनाव प्रक्रिया अधिसूचना के बाद से ही सुर्खियों में आ गई। मंगलवार को माहौल और गर्म हो गया। आखिरकार बुधवार को बवाल हो गया।

'भाजपा' ने तो 'अन्याय' किया, लेकिन 'न्यायालय' करेगा 'न्याय':बलराम सिंह

बस्ती।...बार-बार सवाल उठ रहा है, कि आखिर भाजपा वाले कब और क्यों नहीं विधानसभा और लोकसभा की हार से सबक लेते? क्यों बार-बार उन कार्यकर्त्ताओं की बलि दी जा रही है, जिन्होने भाजपा में पूरी जिंदगी खपा दी, फिर भी उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जो सम्मान और पद उसको मिल रहा है, जिसने पार्टी को एक दिन भी नहीं दिया। विक्रमजोत के बलराम सिंह और कुदरहा के रविंद्र गौतम जैसे ना जाने कितने खाटी कार्यकर्त्ता हैं, जिन्होंने भाजपा के लिए पूरी जिंदगी कुर्बान कर दी। बलराम सिंह को इस बार लगा था, कि पार्टी उनके बारे में कुछ सोचेगी, और कम से कम सहकारी गन्ना समिति के चेयरमैन का तो पद अंतिम समय में पार्टी दे ही देगी, लेकिन उनका भ्रम और सपना तब टूटा जब उनके स्थान पर पार्टी के एक ऐसे स्टूडेंट का चेयरमैन पर का उम्मीदवार घोषित कर दिया, जिसने पार्टी के लिए एक दिन भी नहीं दिया, और उस व्यक्ति को किनारे कर दिया, जिसने पार्टी को 34 साल दिया, जेल भी पार्टी के लिए गए। वह चेयरमैन कौन कहे डायरेक्टर तक नहीं बन पाए, किसी तरह डेलीगेट हो गए थे, लेकिन जब डायरेक्टर का पर्चा दाखिला हुआ तो इन्होंने पर्चा ही नहीं भरा। बताया कि जब उनके सारे सही आपत्ति को खारिज कर दिया गया तो उन्हें लगा कि अ बवह

> भाजपा में जिंदगी खपाने वाले बलराम सिंह चेयरमैन कौन कहे डायरेक्टर तक नहीं बन पाए
>
> कहते हैं, कि वह आसुरी षक्तियों से हार गए, आपत्ति सही होने के बाद भी उसे खारिज कर दिया
>
> 34 साल तक भाजपा का दामन थामे रहने वाले डायरेक्टर का पर्चा नहीं दाखिल कर पाए, और वहीं पर एक दिन भी भाजपा का साथ ना देने वाले को चेयरमैन बनाने जा रही
>
> पार्टी के स्थानीय अपने निजी लाभ के लिए पार्टी को ही समाप्त करने की ओर बढ़ रहें

डायरेक्टर नहीं बन पाएगें, क्यों कि चारों और आसुर षक्तियां काम कर रही थी। कहा कि हम आसुरी षक्तियों से हार गए। इनका सारा गुस्सा पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों से कहा। कहा कि उन्होंने सबसे अपनी बात कही जिलाध्यक्ष से कहा, जिला प्रभारी से कहा, पूर्व सांसद से कहा गोरक्ष प्रांत के प्रभारी से कहा लेकिन सभी ने उनकी योग्यता को एक स्टूडेंट के सामने खारिज कर दिया, हम्हें अयोग्य ठहरा दिया और एक स्टूडेंट को योग्य बना दिया। कहा कि उन्होंने अपनी हार नहीं मानी है, वह अपनी बात मुख्यमंत्री तक कहेगें, और उन्हें बताएगें कि किस तरह

जिले में चुनाव को लेकर नंगा नाच हुआ। कहते हें, कि अगर उन्हें कहीं से भी न्याय नहीं मिला तो न्यायालय से अवष्य मिलेगा, क्यों कि वहां पर आसुरी षक्तियां काम नहीं करती। दुखी मन से कहते हैं, स्थानीय नेता किस तरह पार्टी को बर्बाद करने में लगे हुए है। इनका नाराजगी जिलाध्यक्ष से भी है। कहते हैं, कि ऐसे जिलाध्यक्ष के होने से क्या फायदा जिसकी बागडोर किसी और के हाथ में हो। कहते हैं, कि जिले को जब तक ईमानदार और मजबूत जिलाध्यक्ष नहीं मिलेगा, तब तक यूंही पार्टी हारती रहेगी। कहने को भले ही मंच से केषव मौर्य यह कहते हैं, कि सरकार नहीं बल्कि संगठन बड़ा होता है। अगर संगठन बड़ा होता तो जिले में यह स्थित होती। कहने से कुछ नहीं होगा, संगठन को मजबूत करने की आवष्यकता हैं, क्यों कि कार्यकर्त्ता धीरे-धीरे बिखरते जा रहे है, और इसके लिए जिलाध्यक्ष को ही जिम्मेदार माना जाएगा।

डाक्टर 'दंपत्ति' ने 'सिपाही' का 'चड्डी-बनियान' उतार 'चेंबर' में 'पीटा'

बस्ती।....क्या आप इस बात का अंदाजा लगा सकते हैं, कि कोई डाक्टर दंपत्ति किसी वर्दी धारी सिपाही को नगां कर उसका 'चड्डी-बनियान' उतरवाकर अपने 'चेंबर' में गुंडों से पिटवा भी सकता है। ऐसी पिटाई करवाई की शरीर का एक-एक अगं पर गहरे जख्म के निशान है। इतना ही नहीं जब दलित सिपाही

और उसकी पत्नी थाने रिपोर्ट लिखवाने गई तो एफआईआर लिखने से ही मना कर दिया, अलबत्ता सिपाही के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। जेल में घायल सिपाही से मिलकर बाहर आए तेज तर्रार एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने डाक्टर दंपत्ति और उनके गुंडों की बर्बरता की दांस्ता सुनाते हुए मीडिया से कहा कि प्रशासन का इकबाल समाप्त हो गया, मुख्यमंत्री के जिले में गुंडो की सहायता से डॉक्टर अनुज सरकारी और उसकी पत्नी डॉक्टर माधवी सरकारी ने सिपाही पंकज कुमार को अपने चेंबर में घसीट कर ले गये और उसका चड्डी बनियान उतार कर

> एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह सिपाही के कहा प्रशासन का इकबाल समाप्त हो गया, पूरा सिस्टम फेल हो चुका

दरिंदगी की पराकाष्ठा पार करते हुए वेरहमी से पिटा, जबकि पीड़ति का चार वर्षीय बेटा पैर पड़कर रोता रहा, लेकिन दरिंदों ने कोई रहम नहीं दिखाई। कहा कि जब तक सिपाही को न्याय नहीं मिल जाता है, और डाक्टर दंपत्ति सहित उनके गुंडे जेल नहीं चले जाते तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी। कहा कि समाज के शोषित और कमजोर लोगों की आवाज को वह नही तो कौन उठाएगा। कहते हैं, कि कानून किसी को अपराध करने की इजाजत नहीं देता। सिपाही को बर्बरता पूर्ण पिटा गया, उसकी पत्नी को निर्वस्त्र करने का प्रयास किया गया, इससे अधिक बर्बरता और क्या हो सकती है। कहा कि डाक्टर दंपत्ति डाक्टर नहीं बल्कि कसाई है। एक महिला डाक्टर वर्दीधारी सिपाही को नंगा करवाकर गुंडो से अपने चेंबर में दरिंदगी के सारथ पिटवा रही है, इससे अधिक शर्म की बात और क्या हो सकती है। कहा कि इस तरह की घटनाएं वह महाभारत में पढ़ा था। कहा कि महिला है, कि भुतना, ऐसा राक्षसी कृत्य तो महाभारत के सीरियल में ही देखने को मिला। पूरी मानवता शर्मसार हुई, डाक्टर दंपत्ति डाक्टर के नाम पर कंलक हैं, इनका चेंबर बेचड़खाना है। कहा

> पुलिस अपने ही साथी के मान और सम्मान की रक्षा नहीं कर पा रही, जबतक सिपाही पंकज कुमार को न्याय नहीं मिलेगा और पीटने वाले डाक्टर दंपत्ति और उनके गुंडे जेल नहीं जाएगें, तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी
>
> सिपाही का चार साल का बच्चा पापा को बचाओ चिल्लाते हुए रोता रहा फिर भी दंपत्ति को दया नहीं, यह महिला है, कि भुतना, राक्षसी है

कि सबसे अधिक शर्मनाक बात यह है, कि पुलिस ने अपने ही साथी पुलिस का एफआईआर नहीं दर्ज किया और ना उसकी पत्नी की तहरीर पर ही मुकदमा लिखा। आखिर यह सब किसके इसारे पर हो रहा है। क्यों प्रदेश को गुंडाराज में बदलने का प्रयास पुलिस कर रही है।

एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में आज एक विशिष्ट मंडल पूर्व अध्यक्ष राम सिंह, राधेश्याम सिंह, ओम नारायण पांडे, विश्वजीत त्रिपाठी पार्षद, धर्मेंद्र त्रिपाठी के साथ मंडलीय कारागार गोरखपुर में बंद पुलिस कांस्टेबल पंकज कुमार के साथ एक चिकित्सक एवं उनके पोषितत गुंडा द्वारा किए गए मानवता को शर्मसार करने वाली घटना की विस्तृत जानकारी पीड़ति सिपाही से लिया। जो तथ्य सामने आया वह बेहद चौंकाने वाला और सभ्य समाज के माथे पर कलंक है, चिकित्सक ने जो जघन्य कृत्य किया और अपने गुंडो से करवाया, वह किसी भी तरह से क्षमा योग्य नहीं है, पीड़ति सिपाही ने बताया कि तीन और चार तारीख को दोनों दिन सिपाही को पीटा गया, सिपाही से तीन अक्टूबर को कैंट पुलिस ने तहरीर लिया और मुलाहिजा कराया चार अक्टूबर को जब पीड़ति अपना आधार कार्ड और पर्चा लेने अस्पताल पहुंचा तो 'डॉक्टर और उसके गुंडो ने दरिंदगी की पराकाष्ठा पार करते हुए डॉक्टर अनुज सरकारी ने अपनी पत्नी डॉक्टर माधवी सरकारी के चेंबर में घसीट कर ले गए और चड्डी बनियान उतार कर बेरहमी से पिटा पीड़ति का चार वर्षीय बेटा पैर पड़कर रोता रहा लेकिन दरिंदों ने कोई रहम नहीं किया।' पंकज कुमार ने यह भी बताया कि उसकी पत्नी के भी कपड़े फाड़े गये उसे निर्वस्त्र करने का प्रयास किया गया। पुलिस ने फिर चार अक्टूबर की घटना का मुलाहिजा कारण लेकिन तहरीर वापस कर दिया। बुरी तरह से घायल सिपाही के पूरे शरीर पर गंभीर चोट के निशान है सिर पर पीछे दाहिने दो-दो जगह टांके लगाए गए हैं बाएं हाथ की उंगली का मांस निकल गया है एवं पूरे शरीर पर सैकड़ों चोटों के निशान है। हथौड़ी वाली कहानी कपोलकल्पित और अपने कुकृत्य के बचाव में पेशबंदी के लिए डॉक्टर द्वारा की गई है, हथौड़ी भी चिकित्सक और गुंडो का ही था चिकित्सा हथौड़े सी अगर गंभीर चोट लगी तो वह कैसे मरीज देख रहे हैं, कैसे खुद कार चला कर अपने घर एवं क्लिनिक आ जा रहे हैं यही नहीं चिकित्सक के गुंडो ने पीआरबी सिपाही को पीटने से गुरेज नहीं किया। पुलिस प्रशासन द्वारा चुप्पी साधे रहना गंभीर चिंता का विषय है। नेताजी ने कहा कि पंकज कुमार सिपाही के द्वारा दी गई तहरीर एव पत्नी द्वारा दी गई तहरीर दोनों की घटनाओं की भारतीय दंड विधान की सुसंगत धाराओं में प्राथमिक दर्ज कर डॉक्टर अनुज सरकारी एवं उनके गुंडों को जेल भेजा जाए, प्रशासन, डॉक्टर के चिकित्सालय जो बूचड़ खाना बन गया है, उसे सील करके उसके सभी सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर सहित सुरक्षित किया जाए। कहा कि इनके अस्पताल की वृद्धि सुरक्षा अनापत्ति विगत तीन वर्षों से समाप्त है एवं पूरा अस्पताल परिसर अवैधानिक कार्यों का अड्डा बन गया है, जिसे अविलंब इस अवैध अस्पताल की बिल्डिंग को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया जाए।